aglasem.com

FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2017 Question Paper · Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2017	Question Paper	Hindi Typing	13 Aug 2017

SHIFT
Shift 2

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington GAIL 13th August 2017 shift 2
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2017-08-13 18:14:58
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	973597101
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	973597145
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	973597145
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 973597926 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शूरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	973597102
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	973597146
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	973597146
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 973597927 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

महाराजा रणजीत सिंह का नाम भारतीय इतिहास के सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। पंजाब के इस महावीर ने अपने साहस और वीरता के दम पर कई भीषण युद्ध जीते थे। रणजीत सिंह के पिता सुकरचकिया मिसल के मुखिया थे। बचपन में रणजीत सिंह को चेचक की बीमारी हो गयी थी जिसके कारण वे अपनी बायीं चक्षु से नेत्रहीन हो गये थे। किशोरावस्था से ही चुनौतीयों का सामना करते आये रणजीत सिंह जब केवल 12 वर्ष के थे तब उनके पिताजी सुवर्ग सिधार गये। खेलने कूदने की आयु में ही ननहें रणजीत सिंह को मिसल का सरदार बना दिया गया और उस उत्तरदायित्व को उन्होने बखूबी निभाया। महाराजा रणजीत सिंह स्वभाव से अत्यंत सरल व्यक्ति थे। महाराज की उपाधि प्राप्त कर लेने के बाद भी रणजीत सिंह अपने दरबारियों के साथ भूमि पर विराजमान होते थे। वह अपने उदार स्वभाव, न्यायप्रियता और समस्त धर्मो के प्रति समानता रखने की उच्च भावना के लिए मशहूर थे। अपनी प्रजा के दुखों और तकलीफों को दुर करने के लिए वह हमेशा तत्पर रहते थे। कहा जाता है कि लगभग 40 वर्ष के शासन में महाराजा रणजीत सिंह ने अपने राज्य को इस कदर शक्तिशाली और संपन्न बना दिया था कि सभी आक्रमणकारी सेनाएं उनके साम्राज्य की ओर देखने की हिम्मत तक नहीं करती थी। 1798 ई से 1799 ई के बीच अफगानिस्तान के शासक जमानशाह ने लाहौर पर आक्रमण कर दिया और बडी आसानी से उस पर अधिकार कर लिया। पर अपने सौतेले भाई महमूद के विरोध के कारण जमानशाह को वापस काबुल लौट जाना पडा था। काबूल लौटते समय उसकी कुछ तोपें झेलम नदी में गिर पडी। रणजीत सिंह ने इन तोपों को नदी से निकलवा कर सुरक्षित काबूल भिजवा दिया। इस बात पर जमानशाह बहुत प्रसन्न हो गये और उन्होने रणजीत सिंह को लाहौर पर अधिकार कर लेने की अनुमति दे दी। इस के बाद तुरंत ही रणजीत सिंह ने लाहौर पर आक्रमण कर दिया और 7 जुलाई 1799 के दिन लाहौर पर अधिकार जमा लिया। उन्होंने पंजाब के भिन्न भिन्न मिसलों पर जीत हासिल की, जिनमे से अकालगढ, डांग, कसूर, अमृतसर एंव गुजरात अहम हैं। यह ही नहीं, उन्होंने सतलज पार के प्रदेशो को भी अपने आधीन कर लिया, जैसे दोलाधी गांव, लुधियाना, फिरोजपुर, जीरा बदनी और नारायणगढ। महाराज रणजीत सिंह के सैनिक अभियानों से डर कर सतलज पार बसी हुई सिख रियासतों ने अंग्रेजो से संरक्षण देने की प्रार्थना की थी ताकि वह सब बचे रह सकें। तभी उन रियासतों की प्रार्थना पर गवर्नर जनरल लार्ड मिन्टो ने सर चार्ल्स मेटकाफ को रणजीत सिंह से संधि करने हेतु उनके पास भेजा था। पहले तो रणजीत सिंह संधि प्रस्ताव पर सहमत नही हुए परंतु समय की मांग के आगे उन्हें झुकना पडा। यही कारण था कि रणजीत सिंह ने अंग्रेजो से संधि कर ली।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes